अमर उजाला (Amar Ujala) (G)

दिनाँक (Dated): 06/03/2022 | पृष्ठ सं० (Page No.) 03 | क्रम सं०(Serial No.)

कलेरी पट्टू, चौरल प्रहार और लाठी के दिखाए करतब

गृहमंत्री अमित शाह ने महिला दस्ते के आतंकवादी हमले के दौरान बचाव कार्य को सराहा

इंदिरापुरम। सीआईएसएफ की पांचवीं बटालियन के 53वें स्थापना दिवस पर हैरतअंगेज करतबों ने गृहमंत्री अमित शाह, अतिथियों और दर्शकों को हैरान कर दिया। शुरुआत में निशान टोली के सम्मान में सभी अधिकारी व लोग खड़े हुए। इसके बाद केंद्रीय सुरक्षा बल की दस टुकड़ियों का मुख्य अतिथि अमित शाह ने निरीक्षण किया, फिर जवानों ने परेड कर उन्हें सलामी दी। परेड की अगुवाई कमांडर केके भारद्वाज ने की। महानिदेशक शीलवर्धन सिंह ने 1104 जवानों को एएसआई से एसआई बनाने की घोषणा की। उन्होंने अपने संबोधन में सीआईएसएफ की उपलब्धियां और योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। ब्यूरो

आतंकी हमला होने पर बचाव का डेमो देतीं महिला कमांडो का दस्ता। संवाद

युद्ध कौशल का प्रदर्शन करते सीआईएसएफ के जवान। संवाद

सीआईएसएफ के स्थापना दिवस पर कौशल का प्रदर्शन करता जवान। आमिरुद्दीन

आग लगने पर बचाव का डेमो देते सीआईएसएफ जवान। संवाद

खड़े हो गए दर्शक

कलेरी पट्टू : यह एक तरह का मार्शल आर्ट है। यह बचाव और हमले के दौरान समग्र लड़ाई के लिए प्रयोग की जाती है। कलेरी पट्टू में शामिल 136 जवानों ने एक सीआईएसएफ प्रांगण में एक साथ हुंकार भरी तो अतिथि और दर्शक सीट से उठ खड़े हुए। इस मार्शल आर्ट में एक साथ घेरा बनाकर हमला किया जाता है, जो जान जोखिम के लिए ज्यादा खतरनाक रहता है।

चौरल प्रहार

यह एक तरह की लड़ाई की कला होती है, जो लाठी डंडों के दोनों तरफ आग लगाकर एक दूसरे पर हमला करने की नीयत से हमला किया जाता है। इसमें सामने वाले की फुर्ती और लापरवाही दोनों जानलेवा सिद्ध हो सकती है। समारोह में कलेरी पट्टू प्रदर्शन के बाद जब मैदान में जवानों ने चौरल प्रहार किया तो आग लगे लाठी-डंडे देखकर हर कोई हैरान हो गया।

चेरूवाड़ी फाइट

मार्शल आर्ट की तीसरी क्रिया चेरूवाड़ी होती है। इसमें सीआईएसएफ जवान छोटे डंडे से एक दूसरे पर इस तकनीक से हमला करते हैं कि पहले और दूसरे प्रहार से दुश्मन की जान निकल जाती है। यह ट्रेनिंग सीआईएसएफ जवानों की करीब तीन से सात माह तक चलती है। खास बात है कि चेरूवाड़ी से जवान 150 बार अलग-अलग तकनीक से प्रहार कर सकता है।

अंगधारी वालपिट्टू : सीआईएसएफ के जवानों ने ढाल के साथ एक दूसरे पर कई बार तलवार से हमला किया, लेकिन यह डेमो इस तरह प्रदर्शित किया गया कि दर्शक सीट से खड़े होकर तालियां बजाने लगे। दो जवान मुंह पर ज्वलनशील पदार्थ पीकर आग का गोला छोड़ रहे थे।

भाला बनाम तलवार : सीआईएसएफ जवानों ने भाला और तलवार के बीच एक दूसरे पर हमला करने का डेमो प्रदर्शित किया। करीब दस बार तलवार व भाले से हमला करने का प्रयास किया।

जवानों को वीरता के लिए मिला पदक

31 दिसंबर 2020 को जम्मू कश्मीर के नगरोटा में आतंकवादी हमले के दौरान विशिष्ट वीरता और साहस के सम्मान में विक्रमजीत सिंह, मुत्तमाला रवि, अनिल लाकड़ा, राहुल कुमार और जीवनरक्षा पदक बालावत रावत, राष्ट्रपति पुलिस पदक जगदीश सिंह, आईपीएस मीनाक्षी शर्मा, अंजनी कुमार सिंह, मोहन सिंह थापा, जयदीप चौधरी, राष्ट्रपति फायर पदक के.अजय, सुरेश कुमार, अनिल कुमार, प्रताप सिंह रावत व हरीश शाह और हमबीर सिंह को प्रदान कर सम्मानित किया।

जब आतंकवादियों ने की बस हाइजैक तो महिला दस्ते ने दिखाया साहस

समारोह में आतंकवादियों ने एक बस को हाइजैक कर जब यात्रियों को बंधक बना लिया। तो उसकी सूचना सीआईएसएफ के कंट्रोल रूम को दी गई। मौके पर महिला दस्ते ने तेज रफ्तार गाड़ी से बस के अंदर घुसकर आतंकवादी को हिरासत में ले लिया। इसी तरह मेट्रो हाईजैक करने पर महिला दस्ते ने बड़े ही अदम्य साहस और बहादुरी से मेट्रो के शीशे तोड़कर अंदर प्रवेश किया, बाद में आतंकवादियों को मारकर यात्रियों को उनके कब्जे से छुड़ाया। इससे पहले मेट्रो स्टेशन से जा रही एक युवती को कार सवार बदमाश अपहरण कर लेते हैं। जिसे महिला दस्ते ने चलती कार में अंदर घुसकर बदमाश से युवती को मुक्त कराया। अंत में सीआईएसएफ के अग्निशमन दस्ते से अस्पताल, बिल्डिंग, ट्रांसफार्मर, एलपीजी सिलिंडर समेत अन्य चीजों में फायर ड्रिल का डेमो दिखाया।

गृहमंत्री के साथ पुस्तक का विमोचन करते सीआईएसएफ के महानिदेशक शीलवर्धन। संवाद

स्वर्णिम सेवा में भी महिला कर्मियों का रहा योगदान

महानिदेशक शीलवर्धन सिंह ने बताया कि सीआईएसएफ एविएशन सिक्योरिटी ग्रुप हैदराबाद हवाई अड्डे ने स्वर्णिम सेवा लॉन्च की है, जिसमें सीआईएसएफ ने दिव्यांगजन या जरूरतमंद यात्री जैसे गतिशील वाले यात्रियों, गर्भवती महिलाएं की सहायता के लिए पुरुष जवानों के साथ महिलाकर्मी भी तैनात हैं।

रंगों की बौछार कर बनाया तिरंगा। संवाद